'पंचायत भवन' की 'चाबी' का मामला 'कमिश्नर' 'डीएम' तक 'पहुंचा'

पिछले तीन साल से पंचायत भवन बनकटी के हल्लौर नगरा के ताले की चाबी के लिए परेशान हैं, वहां की पंचायत सहायत

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...न जाने बनकटी ब्लॉक में ईमानदारी से काम करने वालों को क्यों अनेक परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा लगता है, कि उन लोगों का काई सम्मान नहीं जो अपना काम ईमानदारी से करना चाहतें/चाहती है। इसका अंदाजा आप उस बात से लगा सकते हैं, कि हल्लौर नगरा की पंचायत सहायक मनीषा कुमारी को पंचायत भवन का ताला खोलने के लिए चाबी ही नहीं दी जा रही हैं, यह महिला पिछले तीन साल से चाबी के लिए परेशान हैं, मगर इसकी परेशानी सुनने को न तो असली/नकली प्रमुख तैयार है, और न बीडीओ एवं सचिव ही।

इस पंचायत भवन के ताले की चाबी असली प्रधान के पास भी नहीं रहती है, चाबी नकली प्रधान वाले बाबाजी के पास रहती है, और ताला उनका नौकर अपनी मर्जी के हिसाब से खोलता है। कभी-कभी तो दो-दो घंटा बीत जाता है, ताला नहीं खुलता, तब तक महिला पंचायत सहायक को नौकर के आने का इंतजार करना पड़ता है। नियमानुसार पंचायत भवन के ताले की चाबी पंचायत सहायक के पास रहनी चाहिए। सवाल उठ रहा है, कि आखिर पंचायत सहायक को चाबी क्यों नहीं दी जा रही हैं, जाहिर सी बात हैं, कि चाबी अगर पंचायत सहायक के पास रहेगी तो कम्पयूटर में कोई फर्जीवाड़ा नहीं कर सकता है।

पंचायत भवन का ताला, जब नकली प्रधान के नौकर की मर्जी होती, खोलता

क्यों नहीं चाबी दी जा रही है, क्यों पंचायत भवन नौकर खोल रहा हैं, शिकायत करने के बाद भी बीडीओ और सचिव कोई कार्रवाई नहीं कर रहें

अब अगर, नकली प्रधान के कहने पर उनका नौकर ताला खोलेगा तो इस ब्लॉक का भगवान ही मालिक। यह ब्लॉक वालों के लिए षर्म की बात हैं, कि पंचायत सहायक को चाबी पाने के लिए कमिष्नर, डीएम, सीडीओ और डीपीआरओ का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा हैं। इससे पता चलता है, यह ब्लॉक नकली लोगों के हाथों का खिलौना बनकर रह गया है। वैसे भी नकली प्रधानों के क्रियाकलापों के कारण बनकटी ब्लॉक हमेषा चर्चा में रहा। रही-सही कसर बीडीओ साहब लोग पूरा कर देते है। कहना गलत नहीं होगा, कि अधिकांष ग्राम पंचायतों की बागडोर नकली प्रधानों के हाथों में हैं, और जिस ब्लॉक की बागडोर नकली ब्लॉक प्रधान संघ के अध्यक्ष के हाथों में उस ब्लॉक से ईमानदारी की उम्मीद करना भी नासमझी होगी।

चूंकि नकली प्रधानों को तो न तो समाज और न जेल जाने का डर रहता है, इस लिए यह लोग बेकौफ होकर मनरेगा सहित ग्राम निधि की लूटपाट करते है। इनके लूटपाट पर लगाम लगाने के लिए जिसकी जिम्मेदारी है, वह खुद लूटपाट में षामिल रहते है। सच मानिए तो नकली प्रधानों के लिए ग्राम पंचायतें एक कमाउ कारोबार बन गया है। गांव का कोई बेरोजगार अगर प्रधानी का कामकाज देखता है, समझ में आता है, कि वह अपनी बेरोजगारी को दूर करने के लिए लूटपाट कर रहा है, मगर, अगर कोई गुरुजी लूटपाट करें तो इसे समाज कभी अच्छा नहीं मानेगा। गुरुजी लोग अगर गुरुजी ही बनकर रहें तो मान और सम्मान के साथ गुरु दक्षिणा भी मिलेगा।

मगर, आज कल के गुरुजी तो प्रधानी को ही अपना गुरु दक्षिणा मानने लगें हैं। जिस तरह ग्राम पंचायत हल्लौर नगरा में नकली प्रधान/गुरुजी की ओर से जो कुछ महिला पंचायत सहायक के साथ किया जा रहा है, उससे महिला अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। यह भी पता चला कि जितने भी फर्जीवाड़ा वाला काम होता है, वह रोजगार सेवक से कम्पयूटर के द्वारा करवाया जाता हैं।

महिला 'दरोगा' ने कहा, 'समोसा' पर 'बिक' रहा देश का चौथा 'स्तंभ'!

पत्रकार खबर लिखने के लिए पैसा लेते, थाने पर चाय समोसा खाते, पांच सौ लिया और चलते बने

तेजयुग न्यूज

आज का 95 फीसद पत्रकार बिकाऊ हैं, पैसा दीजिए और चाहे जो खबर लिखवा और चैनल पर चलवा लीजिए ▸▸ टीएसआई ने पत्रकारों को हेलमेट क्या बांट दिया, लगे उसका गुणगान करने, बाटी चोखा खाकर पैसा न देने वाले को पत्रकार सिर पर चढ़ा लेते ▸▸ बेबाकी से महिला कहती है, कि उनके पास पत्रकारों के चाय समोसा खाने और पांच सौ रुपया लेने का सबूत

बस्ती।....मीडिया से जुड़े किसी भी साथी को यह नहीं समझना चाहिए, कोई रिपोर्टर, पत्रकार विरोधी भी होता है। जब कोई पत्रकार दूसरे की कमियों को उजागर कर सकता है, तो उसे अपनी कमियों को भी उजागर करना चाहिए। आज पत्रकारों पर जिस तरह से चारों ओर अगुंलिया उठ रही है, और जिसके चलते पूरी पत्रकार बिरादगी को षक की नजर से देखा जा रहा हैं।

उसे देखते हुए पत्रकारों की कमियों को भी उजागर करने का काम पत्रकारों को करना चाहिए, ताकि अगुंलियां उठाने वालों को यह जबाव दिया जा सकें, कि सभी पत्रकार एक जैसे नहीं होते हैं, और न सभी बिकाउ ही होते है। पत्रकारिता से जुड़े लोगों के लिए यह कितने शर्म की बात हैं, कि महिला दरोगा यह कहे कि आज का 95 फीसद पत्रकार एक समोसे पर बिकता है। इस महिला दरोगा के हिम्मत की दाद देनी होगी कि यह जानते हुए कि वह एक पत्रकार से फोन से बात कर रही, फिर भी इस महिला दारोगा ने जो बातें बेबाकी से कही और यह भी कहा कि उसके पास सबूत हैं, कि पत्रकार चाय-समोसा पर बिकते हैं।

उससे उन आरोपों की पुष्टि होती, जिसमें बार-बार मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे है। वायरल हुए सात मिनट के इस आडियो में महिला दरोगा ने लगभग एक दर्जन बार पत्रकारों को चाय-समोसा पर बिकने वाला पत्रकार कहा। यह भी कहा कि अधिकांश पत्रकार थाने पर जातें हैं, चाय-समोसा खाते हैं, और दरोगीजी से पांच सौ रुपया लेते हैं, और सलाम ठोंक कर चले जातें है। जब पत्रकार ने ईमानदारी की बात कही तो महिला दारोगा ने कहा कि आप लोगों की ईमानदारी चाय-समोसे पर बिकती। आप लोगों को पैसा दीजिए और जैसा न्यूज चाहिए लिखवाया/ चैनल पर चलवा दीजिए। कहती है, कि टीएसआई ने पत्रकारों को फ्री में हेलमेट क्या दे दिया, लगे उसका गुणगान करने, कहती है, कि अगर हिम्मत हो तो लिखिए कि छह साल से टीएसआई क्यों जिले में तैनात हैं? कहती है, कि ठेले वाले से फ्री में बाटी-चोखा खाने वाले टीएसआई का अगर पत्रकार गुणगान करेगा तो सवाल उठेगा ही? कहती हैं, कि चाय-समोसा पर बिकने के कारण ही जनता कहती है, कि देखो चाय-समोसा पर बिकने वाला पत्रकार जा रहा है।

तंज कसते हुए कहती है, कि जब देश का चैथा स्तंभ चाय-समोसा और पांच सौ रुपये में बिकेगा तो देष और समाज का क्या होगा? बात तो महिला दरोगा ने सहह कहा, और इस पर मंथन करने की आवश्यकता आज के पत्रकारों को है। पत्रकारों को बदनाम करने वाले पत्रकारों को बेनकाब करने की जरुरत है। हाल ही में 'थानों में मुंषीगिरी कर पेट पाल रहे पत्रकार' नामक षीर्षक से मीडिया में खबर आई थी, जिसमें गौर, पैकोलिया और सोनहा थाने में तीन बड़े बैनर के पत्रकारों के बारे में बताया गया था, कि यह लोग सुबह थाने के बाहर चाय या फोटो की दुकानों पर बैठ जाते हैं, और जो भी पीड़ित जाते हैं, उन्हें थाने के बाहर ही रोक लेते हैं, और उनकी तहरीर लिखने से लेकर एफआईआर दर्ज करवाने की गांरटी लेते हैं, अगर किसी को तगड़ा धारा लगवाना है, तो उसकी अलग से फीस देनी पड़ती।

यह भी बताया गया था, कि षाम को जब यह लोग घर जाते हैं, तो इनकी जेबों में दो से ढ़ाई हजार रहता हैं। खबर छपने के बाद एक आडियो वायरल हुआ, जिसमें तीनों में से एक पत्रकार यह कह रहें हैं, कि उसने तो जनवरी में इसी तरीके से 30 से 35 हजार कमाया। अब आप समझ सकते हैं, कि क्यों मुठ्ठीभर के पत्रकारों के चलते पूरी बिरादरी को बदनाम होना पड़ रहा हैं।

'संजय द्विवेदी' को मिली बड़ी 'जिम्मेदारी', शिक्षक संघ के प्रदेश 'मंत्री' बने

बस्ती। शिक्षक नेता संजय द्विवेदी को बड़ी जिम्मेदारी मिली। इन्हें उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष चेत नारायन सिंह व महामंत्री राम बाबू शास्त्री ने प्रदेश मंत्री बनाया है। प्रदेश मंत्री बनने से शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। अपने मनोनयन पर श्री द्विवेदी ने कहा है कि मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि आपके हितों की हरहाल में रक्षा करूंगा, उसके लिए पूरी ईमानदारी से संघर्ष करूंगा और प्रदेश नेतृत्व के अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। श्री द्विवेदी के मनोनयन पर प्रांतीय उपाध्यक्ष मारकंडेय सिंह, प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, मंडलीय अध्यक्ष गुलाब चंद्र मौर्य, मंत्री अरुण कुमार मिश्रा, जिलाध्यक्ष बस्ती अजय प्रताप सिंह, राम पूजन सिंह, जिलाध्यक्ष संत कबीर नगर महेश राम, गिरिजानंद यादव, मोहिबुल्लाह खान, राम विलास चैधरी, पुनीत त्रिपाठी, गोपाल जी सिंह सहित सैकड़ों लोगों बधाई दी है।

...न जाने 'सगा' और 'पद' पाते ही 'नेता' यों 'घमंडी' हो जाते?

▸▸ जैसे ही इन्हें कोई पद मिलता है, सबसे पहले यह अपने विरोधियों का सत्यानाश करने में लग जाते

▸▸ अचानक यह लोग एक सामान्य इंसान से अंहकारी और घमंडी हो जाते, और अपने आप को भगवान समझने लगते

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...बार-बार सवाल उठ रहा है, कि आज का नेता पद और सत्ता पाते ही क्यों वह घमंडी हो जाता है, क्यों वह अपने आप को भगवान समझने लगता है, और क्यों वह अपनों को और उसके परिवार को बर्बाद और विनाष करने लगता है? यह जानते हुए भी कि जब घमंड रावण का नहीं रहा तो किसी नेता का कैसे रह सकता? पद और सत्ता पाने से पहले जो व्यक्ति एक सामान्य नागरिक रहा, वह अचानक कैसे आसामान्य हो जाता है। अंहकारी और घंमडी हो जाते है। यह घमंड में इतना चूर रहते हैं, कि इन्हें इस बात का भी एहसास नहीं रहता कि उनके घमंड से कितने परिवार को मुसिबतों का सामना करना पड़ रहा है, जाने/अनजाने में यह नेता उन परिवार की आहें और बद्दुआएं ले रहे हैं, जिनकी आहें और बद्दुआएं कभी खाली नहीं जाती, दुनिया में सबसे बड़ा पाप किसी हसंते खेलते परिवार को बर्बाद करना माना जा रहा है।

▸▸ यह जानते हुए कि घंमड जब रावण का नहीं रहा तो यह किस खेत की मूली

भले ही चाहें ऐसे नेता सत्ता और पद के चलते अपराध करके बचते रहें, लेकिन ऐसे लोग उपर वाले की मार से नहीं बच सकते है। आज नहीं तो कल घंमडी नेताओं का घंमड चूर होना ही है, और तब उसे उन सभी अपराधों की सजा भी मिलती है, जिसे उसने जाने/अनजाने और चुनावी रंजिषवष किया होता। इस देष में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है। चाहें वह छोटा हो या फिर बड़ा, चाहें वह चुनाव लड़ने वाले किसी नेता का सगा ही क्यों न हो? संविधान में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार मिला हुआ है। आज का नेता जिस तरह घमंड में चूर होकर पुलिस की मदद से अपने लोगों पर जुल्म डालने का कार्य कर रहे हैं, उसे जनता और भगवान देख रहा है। कहा भी जाता कि किसी व्यक्ति या उसके परिवार को इस तरह न सताया और परेशान किया जाए, पुलिस से मरवाया जाए, कि परिवार के लोग कानून को ही हाथ में लेने लगे।

आज जो अपराधी बन रहे हैं, उसके लिए कहीं न कहीं नेताओं और पुलिस को ही जिम्मेदार माना जा रहा है। कानून से आंख मिचैली करने वाले नेता अगर पुलिस की मदद से किसी को सताते हैं, तो समझा जा सकता है, कि कानून बनाने वाले कानून का कितना सम्मान कर रहें हैं। जिले में आज तक राजकिषोर सिंह से बड़ा कोई घमंडी नेता पैदा नहीं हुआ, लेकिन देख लीजिए वह आज कहां खड़े हुएं है। इन्हें उन लोगों की आहें और बद्दुआएं लगी है, जिन्हें इन्होने जाने/अनजाने में तकलीफ पहुंचाया। इसी लिए बार-बार कहा जाता कि किसी की बद्दुआ और आहें नहीं लेनी चाहिए, वरना जमीन पर आते देर नहीं लगेगी। इस सच को जितना जलछी नेता समझ लें, उतना उनके और उनके परिवार के लिए अच्छा होगा। वरना कोई साथ नहीं देगा, न उपर वाला और न नीचे वाले।

'शिक्षिका' को लेकर 'फरार' हुआ 'हाजी मुनीर' का 'नाती'

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...पिछले काफी दिनों से विवादों में रहा कप्तानगंज स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत फैजुन्नबी इस बार प्रबंधक हाजी मुनीर अली के अध्यापक नाती गुलाम मुजतबा पुत्र स्व. मोहम्मद बहार शाह के कारण चर्चा में आया। प्रबंधक ने सपने में भी नहीं सोचा होगा, कि एक दिन उसे अपने नाती को ही निलंबित करना पड़ सकता है।

खासबात है, यह कि निलंबन की यह कार्रवाई किसी वित्तीय अनियमितता के कारण नहीं बल्कि एक दूसरे स्कूल में पढ़ाने वाली इन्हीं के जाति की षिक्षिका को भगाकर ले जाने के आरोप में किया गया। नाती की षादी दो साल पहले हुई थी, जिसका तलाक भी हो गया हैं, तलाक से नाराज लड़की वालों ने दहेज में दिए गए चार पहिया वाहन को भी उठा ले गए। लड़की को भगाकर ले जाने के कारण मदरसा में तोड़फोड़ भी हो चुका है, और लड़की वालों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज है। उधर लड़की वाले ने भी गुलाम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा चुके है। बताया जाता है, कि निलंबन की कार्रवाई बदनामी से बचने के लिए की गई। यह वही मदरसा हैं, जहां पर प्रबंधक के द्वारा अपने चार दामादों की नियुक्ति और पांचवें की नियुक्ति करने के लिए गुलाम नामक अध्यापक को नियम विरुद्ध बर्खास्त कर दिया, जिसका मामला हाईकोर्ट और विभाग में चल रहा है।

▸▸ निलंबित नाती गुलाम मुजतबा पर लगा शिक्षिका का अपहरण का आरोप

▸▸ मदरसे के प्रबंधक और शिक्षिका का अपहरण करने वाले के परिवार ने दर्ज कराया मुकदमा

▸▸ नाती को दो साल पहले हुआ था, निकाह, तलाक हो गया, लड़की वालों ने दहेज में दिए कार को भी वापस ले गए

▸▸ कप्तानगंज स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत फैजुन्नबी का मामला

11 मार्च 24 को किए गए निलंबन वाले पत्र में कहा गया कि नौ मार्च 24 को दो अज्ञात लोगों के द्वारा मदरसे कार्यालय पर हमला बोला गया, कुर्सियां तोड़ी गई, फाइलों को फाड़ा गया, जिसमें बर्खास्त किए अध्यापक गुलाम की भी फाइल है, लिपिक के साथ गालीगलौज किया गया, एफआईआर भी दर्ज कराना पड़ा। यह भी ज्ञात हुआ कि संस्था के अध्यापक गुलाम मुजतबा भुअर गांव की एक लड़की को लेकर फरार हो गया। यह भी कहा गया कि पूर्व में भी आपके द्वारा चरित्रहीन हरकते संस्था के छात्राओं के साथ किया गया। कहा गया कि चरित्रहीन अध्यापकों के रहते संस्था की बहुत बदनामी होती है। जिसकी निंदा संस्था करती है। इस लिए आपको तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है, और स्पष्टीकरण देने के लिए 15 दिन का समय दिया जाता है।

'अरविंद पाल' की देन, 'बरम बाबा' मन्दिर का 'सौन्दरीकरण': सांसद

तेजयुग न्यूज

सांसद हरीश द्विवेदी के प्रयास से भेजें गये प्रस्ताव पर शासन से मंजूरी मिली : पाल

बस्ती। सांसद हरीश द्विवेदी ने भूमि का पूजन-अर्चन करते हुए नींव में ईंट रखकर शिलान्यास के बाद कहा कि धर्मशाला, यज्ञशाला, सरोवर निर्माण आदि जैसे पुनीत कार्य के लिए अरविंद पाल बधाई के पात्र हैं, कहा कि इनकी ही देन हैं, कि देते हुए कहा की यह अरविंद पाल की देन हैं। कहा कि दो करोड़ रूपए से बरम बाबा मन्दिर के विस्तार एवं सौन्दर्यणीय करण का सारा श्रेय पालजी को जाता है।

कहा कि दो चार दिन में अधिसूचना जारी हो जाए, सांसद ने क्षेत्र की जनता से तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए लोगों से आशीर्वाद मांगा। आदर्श नगर पंचायत बनकटी के अम्बेडकर नगर वार्ड संख्या एक (बांसापार) में बरम बाबा के स्थान पर दो करोड़ रुपए से भूमि पूजन का आयोजन नगर पंचायत अध्यक्ष उर्मिला देवी के कुशल नेतृत्व में हुआ। संचालन रवि चन्द्र पाण्डेय ने किया। भूमि पूजन बसौढी गांव निवासी आचार्य अम्बरीष शुक्ल (शास्त्री) द्वारा बड़े ही विधि-विधान से मंत्रोच्चारण के बीच सांसद हरीश द्विवेदी ने भूमि का पूजन-अर्चन करते हुए नींव में ईंट रखकर शिलान्यास किया। धर्मशाला, यज्ञशाला, सरोवर निर्माण आदि जैसे पुनीत कार्य के लिए अरविंद पाल बधाई देते हुए कहा की यह अरविंद पाल की देन हैं। जो आज यहां बिकास की नींव रखा जा रहा है।

दो चार दिन में अधिसूचना जारी हो सकती है पुनः तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए लोगों से आशीर्वाद मांगा। वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद पाल ने आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा की सांसद हरीश द्विवेदी के प्रयास से भेजें गये प्रस्ताव पर शासन से मंजूरी मिली। कहा कि इस कार्य के लिए एक करोड 99 लाख 58 हजार रुपए की धनराशि की स्वीकृति हुई है। बताया कि सुन्दरीकरण से अब यह स्थान और आकर्षक हो जाएगा। नगर पंचायत बनकटी के विकास के लिए आगे भी सहयोग मिलता रहें, इसलिए हरीष द्विवेदी को भारी मतों से विजई बनाना, हम सब का परम दायित्व है। कहा इस स्थान पर पूरा का पूरा धन खर्च होगा कम पड़ने पर पास से भी खर्च किया जाएगा। यह स्थान क्षेत्रीय लोगों में आस्था का केन्द्र है। मान्यता है कि यहां पर लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बाबा ने मेरी भी मनोकामना पूर्ण की है। धर्मशाला, यज्ञशाला, हनुमान जी का विशालकाय मूर्ति, एवं नीम करौली बाबा की मूर्ति का भी अस्थापना होगा।

सीसी रोड एवं इन्टरलाकिग, बगल में तालाब का सौन्दर्यीकरण, शौचालय, सम्पर्क मार्ग, विश्रामालय, वाटर कुलर, बेन्च लाईट आदि के अलावा आगे भी और तमाम योजनाओं से लैस होगा। लोगों ने जिन भरोसा के साथ सहयोग दिया है। उस पर पूरा खरा उतरने तथा और भी अच्छा करने प्रयास निरंतर जारी रहेगा। एक दिन यह आदर्श नगर पंचायत बनकटी जिले का नम्बर वन नगर पंचायत होगा ऐसा विश्वास है। इस मौके पर डॉ अरूणा पाल पर बरम बाबा के पुजारी इन्द्रमणि शुक्ल, रघुनाथ सिंह मंडल अध्यक्ष विवेकानन्द शुक्ल, अश्विनी उपाध्याय, रमेश अग्रहरि, गोपाल शुक्ल, रविचंद्र पांडेय, अतुल पाल, चन्द्र प्रकाश यादव, दिलीप शुक्ल, अंगद यादव, परमात्मा यादव, सूर्य नारायण पाल, भोलू पाल, हिमांशु पाल, सुनील पाल सुग्रीव पाल, नितेश पाल, प्रदीप गौतम, धर्मेंद्र चैहान, प्रकाश पाल, राजेंद्र यादव, राम अदालत, सुभाष यादव भोला मौर्य, सुबेदार, अतुल पाल सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घर बैठे मिले वेतन, तो कौन जाए पढ़ाने

सरकारी विद्यालयों से नदारत शिक्षक, अधर में लटकी बच्चों की भविष्य

तेजयुग न्यूज

नसीराबाद/रायबरेली : जब घर बैठे मिले वेतन तो कौन जाए पढ़ाने। ऐसी सोच रखने वाले शिक्षक आखिर बच्चों कों क्या तालीम देंगे जब विद्यालयों से शिक्षक ही नदारत रहेंगे तो बच्चों को शिक्षा कहां से प्राप्त होगी यह तो शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ही बता सकते हैं। शायद यही वजह है कि सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या कम है और इसके लिए सरकार स्कूल चलों अभियान जैसे तमाम योजनाएं लागू कर छात्रों को सरकारी विद्यालय में पढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

हालांकि जनपद में तमाम ऐसे सरकारी विद्यालय देखने को मिलते हैं जो किसी प्राइवेट वीआईपी विद्यालय से कम नहीं है। लेकिन कुछ ऐसे विद्यालय हैं जो स्थानीय खंड शिक्षा अधिकारियों की अनदेखी या कुछ और के चलते विद्यालयों से शिक्षक ही नदारत रहते हैं लेकिन कागजों पर उनकी उपस्थिति पूर्ण रहती है। ऐसा ही कुछ आलम है ब्लॉक छतोह के विभिन्न प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूलों का जहा भ्रष्टाचार चरम पर देखने को मिल रहा है कभी विद्यालयों के कायाकल्प के नाम तो कभी भवन निर्माण तो कभी रगांई पुताई आदि में घालमेल, इस तरह की लापरवाहियां बिना खंड शिक्षा अधिकारी के जानकारी में नहीं हो सकता है। सूत्रों की माने तो अधिकतर तो विद्यालय से शिक्षक ही गायब रहते हैं नतीजा शिक्षा मित्रों के सहारे छात्रों को शिक्षा दी जाती है जबकि खंड शिक्षा अधिकारी की रुटीन जांच में उच्च अधिकारियों को सही रिपोर्ट प्रेषित की जाती है।

''इस संबंध में जब खण्ड शिक्षा अधिकारी छतोह से पक्ष जानने की कोशिश की गई तो उनका फोन बंद बताया।''

मां पाटेश्वरी मंदिर देवीपाटन कॉरिडोर के निर्माण की रूपरेखा तय

टी.बी. लाल

बलरामपुर : शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी देवी मन्दिर देवीपाटन को तीर्थ क्षेत्र एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए देवीपाटन तीर्थ धाम विकास परिषद का गठन किया गया है।देवीपाटन मंदिर को भव्य एवं सुंदर बनाने को लेकर देवीपाटन धाम कॉरिडोर ड्रीम प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है।

मन्दिर आने वाले श्रद्धालुओं को हर सुविधा मिलने के साथ ही आकर्षण का केन्द्र भी बने ताकि मन्दिर के महत्व को जानने एवं दर्शन लाभ के साथ-साथ लोग पिकनिक का भी आनन्द ले सकें। मेलार्थियों के लिए मन्दिर के प्रवेश द्वार से लेकर निकास तक का सुव्यवस्थित प्रबन्ध होगा तथा सुरक्षा मानकों का भी पूरा ख्याल रखा जायेगा।। सूर्य कुण्ड में बनने वाले लेजर शो एवं साउड सिस्टम

उच्च गुणवत्ता का लगे। इसके साथ ही बेहतरीन लैण्डस्केप के लिए अन्य जगहों से सम्पर्क कर शानदार लैण्डस्केपिंग का कार्य कराया जायेगा। मन्दिर के पश्चिम तरफ तालाब को बोटिंग के लिए हाईक्वालिटी के प्रबन्धों के रिवर फ्रन्ट की तरह विकसित करने एवं आने वाले श्रद्धालुओं को पार्किंग की समस्या न हो, इसके लिए समुचित स्थान पर पार्किंग बनायी जाएगी। कॉरिडोर में बच्चों के लिए बेहतरीन एवं हाइटेक पार्क की डिजाइन जिसमें झूला एवं अन्य मनोरंजन की चीजें को भी शामिल किया जाएगा।

ईको टूरिज्म के रूप में विकसित होगा सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग : सोहलेवा वन्य जीव प्रभाग के निकट ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा भूमि का चयन किया गया है। इससे क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूकता में वृद्धि होने के साथ ही रोजगार सृजन के माध्यम से स्थानीय लोगों की आय मे वृद्धि होगी तथा जीवन स्तर में सुधार होगा। इस क्षेत्र में थारू जनजाति बहुलता जिनका एक विशेष सांसकृति धरोहर एवं पहचान है। ईको टूरिज्म के माध्यम से थारू जनजाति अपने संस्कृति को प्रसारित करने तथा अपने उत्पादों का वृहद स्तर पर विपणन करने का अवसर मिलेगा।